

प्रेषक,

श्री डी०के० कोटिया,
सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

महानिदेशक,
सूचना एवं लोक सम्यक विभाग
12- ई०सी० रोड, देहरादून।

सूचना अनुभाग :-

देहरादून दिनांक-28 अगस्त, 2006

विषय- उत्तरांचल में पूर्णकालिक अमजीवी पत्रकारों को राज्य कर्मचारियों की भांति राजकीय चिकित्सालयों में निःशल्क चिकित्सा सुविधा प्रदान किए जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक चिकित्सा अनुभाग- 3 के शासनादेश संख्या 880 /XXVIII-3-2005 -58/2005 दिनांक 11 मई, 2006 (अद्यापति संलग्न) के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि चिकित्सा अनु०-7 उत्तर प्रदेश शासन, से निर्गत शासनादेश संख्या-14 एच-3529/71 दिनांक 2 फरवरी, 1972 द्वारा उत्तर प्रदेश के अमजीवी एवं पत्रकारों को जो अमजीवी पत्रकार (कगडीरान्त आरु सर्विस एण्ड मिसलेनियस प्रोविजन्स) एक्ट, 1955 की धारा 2 (4) में आते हैं तथा जिनके पास परिश्रम पत्र हों को समान स्तर के राजकीय कर्मचारियों की भांति प्रदेश के राजकीय अस्पतालों में चिकित्सा सम्बंधी समस्त सुविधायें दिये जाने की व्यवस्था थी। यह सुविधा मान्यता प्राप्त एवं अमजीवी पत्रकारों के परिवार के सदस्यों को भी दीव थी तथा परिवार की परिभाषा वही रखी गयी थी, जो राज्य कर्मचारियों के लिए लागू है।

2. उक्त के क्रम में उत्तरांचल के राजकीय चिकित्सालयों में राज्य कर्मचारियों की भांति चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने हेतु समाचार पत्र संगठनों एवं पत्रकार संघों ने राज्य सरकार से विभिन्न स्तरों पर अनुरोध किया है। इस पर राज्य सरकार द्वारा सम्यक विचार करते हुए यह निर्णय लिया गया कि राज्य कर्मियों की भांति प्रदेश के मान्यता प्राप्त एवं अमजीवी पत्रकारों को, जैसा कि शासनादेश के प्रस्ताव-1 में तत्कालीन उत्तर प्रदेश शासन के शासनादेश में परिभाषित किया गया है, को उनके परिवार सहित उत्तरांचल के राजकीय अस्पतालों में चिकित्सा सुविधा दिये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

3. चिकित्सा सम्बंधी व्यय की प्रतिपूर्ति सूचना विभाग द्वारा की जायेगी। इस निमित्त सूचना विभाग के आव-व्ययक में अनुदान संख्या-14 के अन्तर्गत 2220 सूचना तथा प्रचार-आयोजनेत्तर-80-अन्य-800-अन्य व्यय-06 अमजीवी पत्रकारों के चिकित्सा व्यय की प्रतिपूर्ति-42-अन्य व्यय के अन्तर्गत प्राविधान कराकर की जायेगी।

6. यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय पत्र संख्या- 502/वित्त अनुभाग- 5/2006 दिनांक 25 अगस्त, 2006 में प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किये जा रहे हैं।

संलग्नक - यथोपनि

भवदीय,

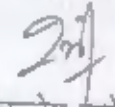
(डी०के० कोटिया)
सचिव।

पृष्ठांकनसंख्या-129 /XXII/2006-1(5)/2006 तददिनांक।

प्रतिलिपि :- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. महासेखाकार, सेखा एवं हकदारी, वैभव पैलेस, इन्दौरानगर, देहरादून।
2. निर्जी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तरांचल शासन।
3. समस्त प्रमुख सचिव/सचिव, उत्तरांचल शासन।
4. महानिदेशक, चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण निदेशालय, चन्द्र नगर, देहरादून, उत्तरांचल।
5. समस्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी/वरिष्ठ अधीक्षक/अधीक्षिका पुरुष एवं महिला चिकित्सालय, उत्तरांचल।
6. वित्त व्यय नियंत्रण अनुभाग-5, उत्तरांचल शासन।
7. आयुक्त, गढवाल/कुमाऊँ मण्डल, उत्तरांचल।
8. समस्त जिलाधिकारी, उत्तरांचल।
9. समस्त उप निदेशक/तहासद निदेशक/जिला सूचना अधिकारी, सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तरांचल।
- ✓ 10. निदेशक, एन०आई०सी०, सचिवालय परिसर, देहरादून।
11. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,


(सन्तोष बडोनी)
अनुसचिव।

4. उक्त के कम में मुझे यह भी कहने का निर्देश हुआ है कि श्रमजीवी पत्रकारों को उनके परिवार सहित कराई गई चिकित्सा पर चिकित्सा व्यय की प्रतिपूर्ति निम्नानुसार की जायेगी।

क्र०सं.	प्रतिपूर्ति दावे का अधिकतम धनराशि	प्रतिवेत्तासंरक्षकता अधिकारी	स्वीकृता अधिकारी
1.	2,000 रुपये तक	राजकीय चिकित्सालय के अधीक्षक/ मुख्य चिकित्सा अधीक्षक जहां उपचार किया गया हो अथवा जहां से सन्दर्भित किया गया हो। अशासकीय चिकित्सालयों के प्रकरण में राजकीय चिकित्सालय के सक्षम अधिकारी	कार्यालयवाच्य
2.	2,000 रुपये से अधिक किन्तु 10,000 रुपये तक	उपचार प्रदान करने वाले अथवा सन्दर्भित करने वाले राजकीय चिकित्सालय के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक।	विभागाध्यक्ष
3.	10,000 रुपये से अधिक किन्तु रु० 50,000 तक	कुनाई मण्डल हेतु अपर निर्देशक, कुनाई मण्डल, चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा गढ़वाल मण्डल हेतु अपर निर्देशक, गढ़वाल मण्डल, चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण	शासन के प्रशासकीय विभाग
4.	रु० 50,000 से अधिक	कुनाई मण्डल हेतु अपर निर्देशक, कुनाई मण्डल, चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा गढ़वाल मण्डल हेतु अपर निर्देशक, गढ़वाल मण्डल, चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण	शासन के प्रशासकीय विभाग द्वारा चिकित्सा विभाग के परामर्श एवं वित्त विभाग की सहमति से।

5. सूचना विभाग के आय-व्ययक में इस निमित्त धनराशि की व्यवस्था किये जाने तक श्रमजीवी पत्रकारों के चिकित्सा व्यय की प्रतिपूर्ति सूचना विभाग के अधीन गठित पत्रकार कल्याण कोष में उपलब्ध धनराशि से की जायेगी तथा आय-व्ययक में प्राविधान होने के उपरान्त कोष से भुगतान की गई धनराशि की प्रतिपूर्ति सूचना विभाग के बजट में प्राविधानित धनराशि से कर दी जायेगी।

प्रेषक,

डॉ० भूपिन्दर कौर,
अपर सचिव, उत्तरांचल शासन ।

सेवा में,

अपर सचिव
सूचना, विभाग,
उत्तरांचल शासन

चिकित्सा अनुभाग-3

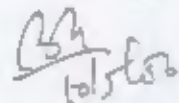
देहरादून: दिनांक : 11 मई, 2006

विषय: उत्तरांचल के वर्किंग जर्नलिस्टों को राज्य कर्मचारियों की भांति राजकीय
चिकित्सालयों में निःशुल्क चिकित्सा सुविधा प्रदान किये जाने के संबंध में ।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र सं०-1254/xxii/2006 दिनांक 27.04.2006 के
अनुक्रम में मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि मान्यता प्राप्त पत्रकारों को निःशुल्क
चिकित्सा सुविधा प्रदान किये जाने के संबंध में उत्तर प्रदेश शासन के शासनादेश
सं०-3/एन्टीस-1-2001-04/98, दिनांक 03.01.2001 द्वारा राज्य के वर्किंग जर्नलिस्टों को
राज्य कर्मचारियों की भांति राजकीय चिकित्सालयों में निःशुल्क चिकित्सा सुविधा सूचना
विभाग द्वारा अपने दिनांकीय आय-व्ययक के माध्यम से दी गयी है । अतएव वर्किंग
जर्नलिस्टों को उक्त सुविधा सूचना विभाग अपने आय-व्ययक के माध्यम से प्रदान करने का
कष्ट करें चिकित्सा विभाग को इस हेतु कोई आपत्ति नहीं है ।

भवदीय,



(डॉ० भूपिन्दर कौर)
अपर सचिव